ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

फिर भी एक बात अब तक भी कुछ वाणी तक आई है, प्रैक्टिकल में नहीं आई है। कौन सी बात वाणी तक आई है प्रैक्टिकल नहीं? यही ड्रामा की ढाल जो सुनाई। लेकिन और बात भी बता रहे थे। वह यह है जैसे अब समय नजदीक है, वैसे समय के अनुसार जो अन्तर्मुखताकी अवस्था, वाणी से परे, अन्तर्मुख होकर, कर्मणा में अव्यक्त स्थिति में रहकर धारण करने की अवस्था दिखाई देनी चाहिए, वह कुछ अभी भी कम है। कारोबार भी चले और यह स्थिति भी रहे। यह दोनों ही इक्ट्ठा एक समान रहे। अभी इसमें कमी है। अब साकार तो अव्यक्त स्थिति स्वरूप में स्थित है। लेकिन आप बच्चे भी अव्यक्त स्थिति में स्थित होंगे तो अव्यक्त मुलाकात का अलौकिक अनुभव कर सकते हो। एक मुख्य बात और भी है, वर्तमान समय ध्यान पर देते हैं, जो तुम्हारे में होनी चाहिए। वह कौन सी? कोई को आता है? **जो मुख्य साकार रूप में भी कहते थे – अमृतवेले उठना। अमृतवेले का वायुमण्डल ऐसा ही रहेगा। साकार में अमृतवेले बच्चों से दूर होते भी मुलाकात करते थे। लेकिन अभी जब अमृतवेले चक्र लगाने बाबा आते हैं तो वह वायुमण्डल देखा नहीं है। क्यों थक गये? इस अमृतवेले के अलौकिक अनुभव में थकावट दूर हो जाती है। परन्तु यह कमी देखने में आती है। यह बापदादा की शुभ इच्छा है कि जल्दी से जल्दी इस अव्यक्त स्थिति का हर एक बच्चा अनुभव करे। वैसे तो आप जब साकार से साकार रीति से मिलते थे तो आप की आकारी स्थिति बन जाती थी। अब जितना-जितना अव्यक्त आकारी स्थिति में स्थित होंगे उतना ही अलौकिक अनुभव करेंगे।**

AMRITVELA

There is something else that until now has only been spoken of in words, but has not yet happened practically. What is it that has only been spoken about but not yet happened practically? You just heard about the shield of the drama. Baba was also telling you something else. The time is close. And so according to the time, the stage of being introverted, of going beyond sound, of being avyakt whilst engaged in action, should be visible and that is still lacking. Your business has to continue but developing this stage should also continue. Both these should happen together equally. At the moment, they are not. Now, sakar Baba is stable in the avyakt form, but you children will only be able to have the alokik experience of an avyakt meeting if you are stable in the avyakt stage. There is one other main thing: at present, your attention is being drawn to it, and so there should be this to a greater extent within yourself. What is that? Does anyone know? **You were told of it by the corporeal form also to wake up at Amrit vela. The atmosphere of Amrit vela will remain the same. In the sakar form, at Amrit vela, even though the children were far away, they used to experience a meeting with Baba, but now, when Baba went on a tour at Amrit vela, he didn't see that atmosphere. Why? Have you become tired? Tiredness is removed by this alokik experience of Amrit vela. Yet, this weakness is sometimes visible. It is BapDada's pure desire that children quickly experience these avyakt experiences. When you used to meet the sakar form in the corporeal form, your stage used to become angelic. Now, you will have alokik experiences to the extent that you remain stable in the avyakt angelic form.**

निराकार ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा
शुभ भावना और
शुभ कामना द्वारा
सूक्ष्म सेवा करने वाले ही
महान आत्मा हैं
Om Shanti
Join Brahma Kumaris
पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Remembrance of God is the
solution to every problem.

वर्तमान समय सारे संसार की सबसे बड़ी सेवा योग के वायब्रेशन फैलाना, यह महान कार्य वही कर सकते हैं, जो व्यर्थ नेगेटिव से मुक्त रहते हैं...।

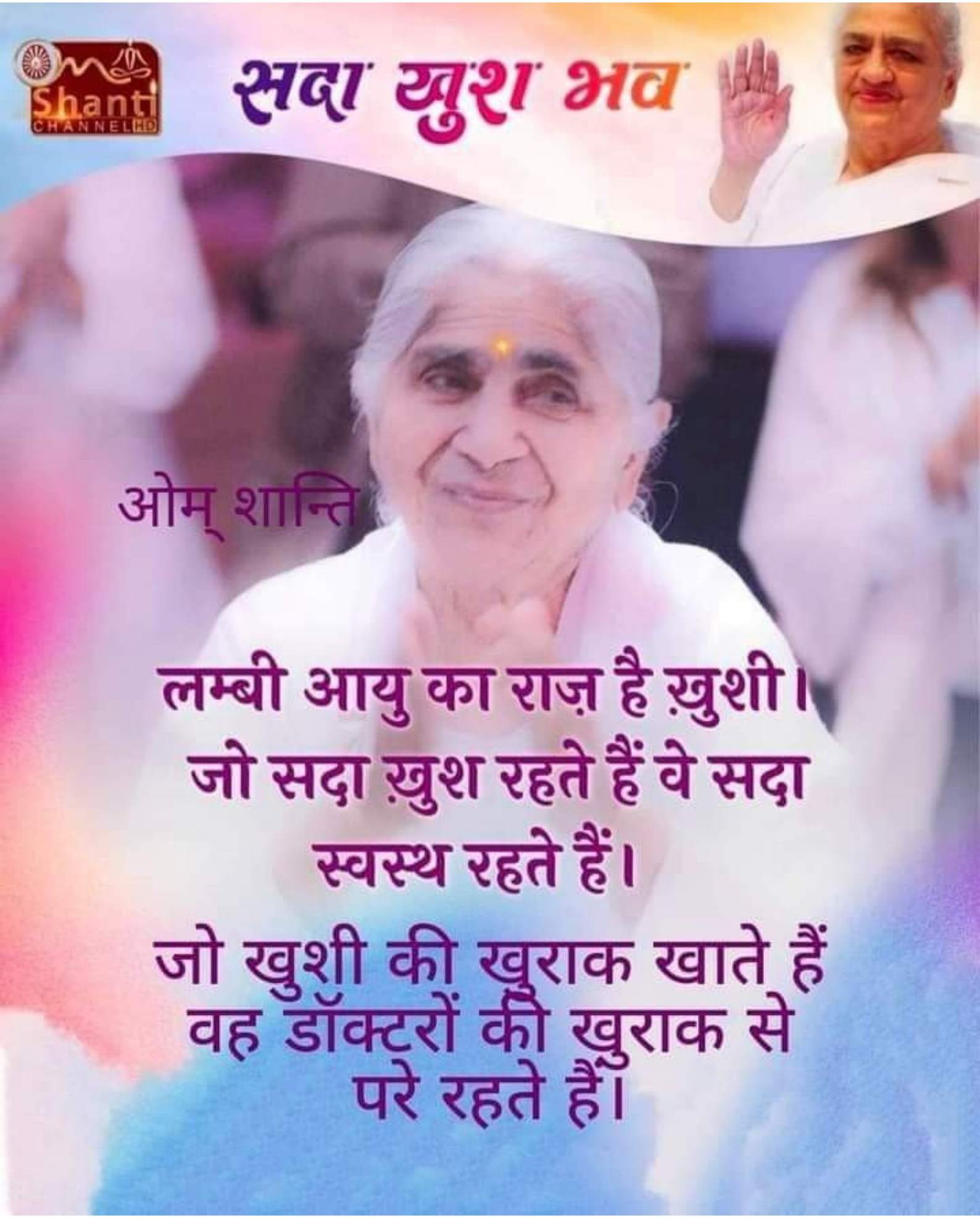
Shanti
CHANNEL HD
सदा ख़ुश भव
ओम् शान्ति
लम्बी आयु का राज़ है ख़ुशी।
जो सदा ख़ुश रहते हैं वे सदा
स्वस्थ रहते हैं।
जो खुशी की खुराक खाते हैं
वह डॉक्टरों की खुराक से
परे रहते हैं।

“

सारा दिन में कितने लोगों से पूछते हैं
“क्या हाल चाल है? ... आप कैसे हैं?”
“आपको कुछ चाहिए?”

आज से एक नया रिश्ता जोड़ते हैं।
हर 1 घंटे बाद, 1 मिनट के लिए
अपने मन से पूछें - “आप ठीक हैं?”
अगर ठीक न लगे तो उससे प्यार से
बात करके उसको ठीक करलें।

Just A Minute Meditation

”

- BK SHIVANI

facebook.com/BKShivani
youtube.com/BKShivani

Relationship Management

"दूसरों के द्वारा बुरा और नुकसानदायक व्यवहार करने पर भी सदैव उनके साथ अच्छा व्यवहार करें क्योंकि क्रोध में आकर उन्हें दर्द देने से सर्वप्रथम हम हीं वह दर्द महसूस करते हैं और हमारी वह प्रतिक्रिया भविष्य में हमारे लिए और भी अधिक दर्द को आमंत्रित करती है।
वहीं हमारे द्वारा किया गया अच्छा व्यवहार हमारे गुणों को निखारकर हमें संपूर्णता की ओर लेकर जाता है"

Om Shanti

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org